भारत सरकार **(Government of India)**

गृह मंत्रालय **(Ministry of Home Affairs)**

महानिदेशालय-अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक **(Directorate General Fire Service, Civil Defence & Home Guards)**

नागरिक सुरक्षा **(Civil Defence)**

7 मई **2025** को भारत सरकार द्वारा आयोजित सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन को युद्ध जैसी आपात स्थितियों के लिए तैयार करना है। यह अभ्यास **244** जिलों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न सुरक्षा उपायों और प्रशिक्षण सत्रों को शामिल किया गया है।

🛡️ मॉक ड्रिल के प्रमुख उद्देश्य:

1. हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली का परीक्षण –
2. हॉटलाइन/रेडियो संचार लिंक का संचालन –
3. नियंत्रण कक्षों और शैडो कंट्रोल रूम्स की कार्यक्षमता का परीक्षण –
4. नागरिकों, छात्रों आदि को नागरिक सुरक्षा के पहलुओं पर प्रशिक्षण –
5. तत्काल ब्लैकआउट उपायों का प्रावधान –
6. महत्वपूर्ण संयंत्रों/स्थापनों का प्रारंभिक छद्मावरण –
7. नागरिक सुरक्षा सेवाओं की सक्रियता और प्रतिक्रिया का सत्यापन –
8. ब्लैकआउट उपायों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन –
9. निकासी योजनाओं की तैयारी और उनके निष्पादन का मूल्यांकन –

यह अभ्यास नागरिकों, स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन सेवाओं को संभावित शत्रुतापूर्ण हमलों, जैसे कि मिसाइल हमले या हवाई हमलों, के लिए तैयार करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसका लक्ष्य है कि सभी संबंधित पक्ष आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में सक्षम हों।

7 मई की मॉक ड्रिल के दौरान अपनाए जाने वाले प्रमुख सुरक्षा उपाय:

1. सायरन और चेतावनी संकेत:

- सुबह और शाम को हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजाए जाएंगे (जैसे - "रेड अलर्ट", "ऑल क्लियर" आदि)।
- नागरिकों को बताया जाएगा कि अलग-अलग सायरनों का क्या मतलब होता है और इन पर क्या प्रतिक्रिया करनी चाहिए।

2. ब्लैकआउट **(Blackout)** अभ्यास:

- रात में लाइटें बंद रखने का अभ्यास कराया जाएगा, खासकर प्रमुख इमारतों, अस्पतालों, कारखानों और सरकारी भवनों में।
- खुले में लाइट या रोशनी न करने की हिदायत दी जाएगी, ताकि दुश्मन को लोकेशन पता न चले।

3. नागरिकों को जागरूक करना**:**

- स्कूल, कॉलेज और पंचायत भवनों में सिविल डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे।
- लोगों को सिखाया जाएगा कि बम या मिसाइल हमले के समय कैसे शरण लेनी है, क्या सावधानियाँ रखनी हैं।

4. छद्मावरण **(Camouflage):**

- बिजलीघर, रेलवे स्टेशन, सैन्य डिपो आदि जैसे संवेदनशील संस्थानों पर ढकाव/छिपाव के अभ्यास कराए जाएंगे, जिससे वे हवाई हमले से बच सकें।

5. आपातकालीन सेवाओं की तैयारी**:**

- फायर ब्रिगेड, पुलिस, एम्बुलेंस और स्वयंसेवकों को फील्ड में तैयार किया जाएगा कि आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दें।
- राहत और बचाव दल मॉक राहत कार्यों का प्रदर्शन करेंगे।

6. नियंत्रण कक्ष और संचार नेटवर्क**:**

- ज़िलास्तरीय और राज्यस्तरीय कंट्रोल रूम की कार्यक्षमता का परीक्षण होगा।
- वायुसेना, प्रशासन और नागरिक सुरक्षा दलों के बीच सीधा रेडियो/हॉटलाइन संपर्क स्थापित किया जाएगा।

7. निकासी और राहत केंद्र**:**

- भीड़भाड़ वाले स्थानों से निकासी अभ्यास **(Evacuation Drill)** कराई जाएगी।
- लोगों को बताया जाएगा कि निकासी के समय कौन-कौन सी वस्तुएँ साथ रखनी हैं (जैसे: ID, दवाइयाँ, पानी, रेडियो आदि)।